हिंदी विभाग
मिर्ज़ा ग़ालिब कॉलेज,
गया, बिहार
बी.ए. ऑनर्स (प्रतिष्ठा)

कार्यक्रम के परिणाम (Programme Outcome)

प्रश्नपत्र 1-मध्यकाल के प्रमुख भेदों यथा भक्तिकाल और रीतिकाल की परिस्थितियों से परिचित हो जाएंगे।। इसके साथ-साथ उस काल के रचनाकारों के विषय में भी जान पाएंगे।।

प्रश्नपत्र 2- हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के गद्य के इतिहास को बता सकेंगे। पाठ्यक्रम में निर्धारित गद्य विधा और रचनाओं की समीक्षा कर सकेंगे। विद्यार्थियों के अंदर समीक्षात्मक दृष्टि का विकास हो सकेगा।

प्रश्नपत्र 3- आधुनिकता तथा आधुनिक बोध से परिचित हो जाएंगे। आधुनिक काल के हिंदी कवियों के जीवन परिचय से अवगत हो सकेंगे। छायावादी कविताओं की विशेताओं से परिचित हो जाएंगे।

प्रश्नपत्र 4- हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन, काल विभाजन के औचित्य को समझ सकेंगे। हिंदी साहित्य के अंतर्गत विभाजित विभिन्न कालों की सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, राजनीतिक परिस्थितियों से अवगत हो सकेंगे। हिंदी साहित्य के प्रमुख रचनाकारों और उनकी रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

प्रश्नपत्र 5- भाषा और भाषाविज्ञान के साथ हिंदी भाषा के महत्व से परिचित हो जाएंगे। हिंदी भाषा के विकास से भी परिचित हो जाएंगे। भाषाई कौशल का विकास हो जाएगा। हिंदी भाषा व अन्य भाषाओं के बीच संबंध को जान सकेंगे।

प्रश्नपत्र 6- भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विविध पक्षों से परिचित हो जाएंगे। भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र के बीच तुलनात्मक अध्ययन को बढ़ावा दिया जाएगा। आलोचना व उसके विविध पक्षों से अवगत हो सकेंगे।

प्रश्नपत्र 7- हिंदी भाषा के व्यावहारिक रूप को समझ सकेंगे। हिंदी के विविध व्यावहारिक रूपों, पारिभाषिक शब्दावली से अवगत हो जाएंगे। मीडिया की हिंदी व आम बोलचाल व लेखन की हिंदी के विषय में जान सकेंगे। हिंदी के राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।

प्रश्नपत्र 8- भक्तिकाल से परिचित हो जाएंगे। भक्तिकाल के अंतर्गत सगुण भक्तिकाव्य से परिचित हो सकेंगे। भक्तिकाल के प्रमुख कवियों सूर, तुलसी, रसखान, रहीम, और कवयित्री मीराबाई के व्यक्तित्व-कृतित्व से परिचित हो जाएंगे।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Outcome)

बी.ए. ऑनर्स (प्रतिष्ठा)

प्रथम वर्ष (पार्ट -1)

प्रश्नपत्र – 1 मध्यकालीन काव्य (भक्ति एवं रीति काव्य)

Course Outcome

1-विद्यार्थी मध्यकालीन हिंदी कविता के महत्व को जान सकेंगे।

2-मध्यकाल के प्रमुख निर्धारित कवियों और कवयित्रियों के विषय में बता सकेंगे।

3-भक्तिकाल के अंतर्गत आने वाली प्रमुख काव्यधाराओं के विषय में जान जाएंगे।

4-रीतिकाल के प्रमुख काव्याधाराओं के विषय में जान सकेंगे।

बी.ए. ऑनर्स (प्रतिष्ठा)

प्रथम वर्ष (पार्ट -1)

प्रश्नपत्र -2 गद्य विधाएँ (कथा साहित्य, नाटक एवं निबंध)

Course outcome

1-विद्यार्थी आधुनिक हिंदी गद्य के महत्व को जान सकेंगे।

2-विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से जीवन की विभिन्न परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता का विकास हो सकेगा।

3-विद्यार्थी मानवीय संवेदना से परिपूर्ण हो सकेंगे।

बी.ए. ऑनर्स (प्रतिष्ठा)

द्वितीय वर्ष (पार्ट -2)

प्रश्नपत्र -3 आधुनिक काव्य

Course outcome

1-हिंदी साहित्य के काल विभाजन को समझने की क्षमता का विकास हो चुका होगा।

2-छायावाद के प्रमुख रचनाकारों और उनकी रचनाओं से अवगत हो सकेंगे।

3-छायावादी कविता के महत्व को जान सकेंगे।

4-आधुनिकता के विषय में समझ सकेंगे।

बी.ए. ऑनर्स (प्रतिष्ठा)

द्वितीय वर्ष (पार्ट -2)

प्रश्नपत्र -4 हिंदी साहित्य का इतिहास

Course outcome

1-विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित हो सकेंगे।

2-हिंदी साहित्य के प्रमुख रचनाकारों व उनकी रचनों से सामान्य रूप से परिचित हो सकेंगे।

3-हिंदी साहित्य के इतिहास के महत्व को जान सकेंगे।

4-तत्कालीन परिस्थितियों के अध्ययन से सामान्य रूप से अन्य विषयों के साथ जोड़ सकेंगे।

बी.ए. ऑनर्स (प्रतिष्ठा)

तृतीय वर्ष (पार्ट -3)

प्रश्नपत्र -5 भाषा विज्ञान

Course outcome

1-भाषाविज्ञान व हिंदी भाषा के महत्व को समझ सकेंगे।

2-भाषाई कौशल से परिचित हो सकेंगे।

3-हिंदी भाषा के विकास व अन्य भाषाओं के बीच संबंध को समझ सकेंगे

बी.ए. ऑनर्स (प्रतिष्ठा)

तृतीय वर्ष (पार्ट -3)

प्रश्नपत्र-6 भारतीय काव्यशास्त्र और भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत

Course outcome

1-विद्यार्थी भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र के महत्व को समझ सकेंगे।

2-भारतीय काव्यशास्त्र के अंतर्गत विभिन्न संप्रदायों का अध्ययन कर सकेंगे।

3-पाश्चात्य काव्यशास्त्र के भारतीय काव्यशास्त्र पर पड़ने वाले प्रभाव को समझ सकेंगे।

4-पाश्चात्य काव्यशास्त्र के अंतर्गत विभिन्न सिद्धांतों का अध्ययन कर सकेंगे।

5-विभिन्न आलोचकों व उनके आलोचना सिद्धांतों से परिचित

हो सकेंगे।

बी.ए. ऑनर्स (प्रतिष्ठा)

तृतीय वर्ष (पार्ट -3)

प्रश्नपत्र -7 प्रयोजनमूलक हिंदी

Course outcome

1-विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिंदी के महत्व को समझ सकेंगे।

2-प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध प्रयोगों से अवगत हो सकेंगे।

3-राजभाषा हिंदी तथा हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली से अवगत हो सकेंगे।

4-विश्व भाषा के रूप में हिंदी के विकास को समझ सकेंगे।

बी.ए. ऑनर्स (प्रतिष्ठा)

तृतीय वर्ष (पार्ट -3)

प्रश्नपत्र -8 विशेष अध्ययन

इसके अंतर्गत 4 प्रश्नपत्रों में से केवल एक प्रश्नपत्र का विशेष अध्ययन अपेक्षित है-

प्रश्नपत्र-8 विशेष अध्ययन

सगुण भक्ति काव्य

प्रश्नपत्र-8 विशेष अध्ययन

दलित साहित्य और स्त्री विमर्श

प्रश्नपत्र-8 विशेष अध्ययन

लोक साहित्य

प्रश्नपत्र-8 विशेष अध्ययन

हिंदी पत्रकारिता

बी.ए. ऑनर्स (प्रतिष्ठा)

तृतीय वर्ष (पार्ट -3)

प्रश्नपत्र -8 विशेष अध्ययन

सगुण भक्ति काव्य

Course outcome

1-विद्यार्थी भक्तिकाल के विषय में बता सकेंगे।

2-सगुण भक्ति के विषय में जान सकेंगे।

3-पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों सूर, तुलसी, रसखान, रहीम और मीराबाई के व्यक्तित्व-कृतित्व से परिचित हो सकेंगे।

4-रचनाकारों के तत्कालीन समाज व परिस्थितियों के विषय में समझ सकेंगे।